

4+1+1+1+3

धातु अवृं अधिकृत

CH: 83

1. क्षेत्रकर्ता धातु, अधिकृत अवृं धातुकल्पना उदायान द्वारा।  
→ धातु — मोना, तामा, कमातू अवृं अलुमिनिमूला इत्यादि।  
अधिकृत — अडिगेन, अर्जुनगेन, कार्बन अवृं आलस्कातू इत्यादि।  
धातुकल्पना — बेट्टन, निलिकन, आर्मेनिमूल, आजुर्णीकि, अर्टिमिनि इत्यादि।
2. धातुर धातु छाति दिखाति की ?  
→ विशेष धातुर पूर्व चकचके भाके, धातुर अर्थ दिखके धातुर छाति बला है।
3. धातुर आत्मसंनीभूता दिखाति की ?  
→ कोनो कोनो धातुके निर्मित चार्पटा पात्तना पाते पात्तित कृष्णमास, धातुर एवं धिकृतके आप जन्मनीभूता बला। मोना एवं कृष्ण अयुच्छेतेली आत्मसंनीय।
4. धातुर नमनीभूता दिखाति की ?  
→ कोनो कोनो धातुके टेले भृक्त आप भृत्तित कृष्ण मास, ताके धातुर नमनीभूता धिकृत बल। मोना अयुच्छेते नमनीभूत धातु। एवं तोनाके टेले आम 2 km दूर आप भृत्तित कृष्ण मास।
5. अयुच्छेत आपृष्ठ शुभप्रियशी धातुरलोक नाम लेत्तेहो ?  
→ तामा अवृं अज्ञा।
6. एकलाल त्रूल अधिकृतपृष्ठ नाम लेत्तेहो ?  
→ ब्रह्मिन।
7. त्रूल अयुच्छास भाक एकलाल धातुरपृष्ठ नाम लेत्तेहो ?  
→ भृत्तित या आर्काटि। (Hg)
8. धातुरला अडिगेनेय जापे विक्रिमूर्त भृत्त की त्रूपन कृष्ण ?  
→ धातुरला अडिगेनेय जापे विक्रिमूर्त भृत्त विक्रिमूर्त अज्ञार्थत त्रूपन कृष्ण।
9. उर्ध्वी अज्ञार्थत काष्ठाके बल : ?  
→ सु धातुर अज्ञार्थत ग्रुला अयुच्छेत अवृं झार उर्ध्वीपृष्ठ आपे विक्रिमूर्त कृष्ण नमन ओडल त्रूपन कृष्ण अयुच्छेत उर्ध्वी अज्ञार्थत बल।  
मैथन :-  $\text{Al}_2\text{O}_3 + 6\text{HCl} \rightarrow 2\text{AlCl}_3 + 3\text{H}_2\text{O}$   
 $\text{Al}_2\text{O}_3 + 2\text{NaOH} \rightarrow 2\text{NaAlO}_2 + \text{H}_2\text{O}$
10. जोतिमूल, पर्चिमिमूल अवृं लिमिमूल अर्थ धातुरला केट्टोलिन वा तेलव नीचे डेविस्टू त्राप्त कैन ?  
→ जोतिमूल, पर्चिमिमूल अवृं लिमिमूल अर्थ धातुरला धूवहि त्रिक्षिमूर्त इश्वलाकृ शेला आस्त्रामू डेवें दिले अडिगेनेय जापे विक्रिमूर्त कृष्ण आपुन भृत्त उर्ध्वी। जेर्जन्ट्रा इश्वलाकृ त्रृक्षा कृष्ण भृत्त अनु अवृं चुर्मलाजनित आपुन ना लाग्य भृत्त इश्वलाकृ केट्टोलिन वा तेलेव नीचे डेविस्टू त्राप्त हूम। काष्ठाकृ इश्वलाकृ बेट्टोलिमूर्त अमित विक्रिमूर्त कृष्ण ना।
11. अनाडिकृत प्रक्रिमूर्त की ?  
→ अनाडिकृत पान्डितुओ अलुमिनिमूल अज्ञार्थत्रूप अकर्ति आज्ञावन त्रूपि हूम। अच्छ अलुमिनिमूल अज्ञार्थत भाज्ञार्णीटि अधिक अमीजन अतिरूपि कर्य।

Q. 1. এমন কয়েকটি ধাতুর নাম লিখো যেগুলো গোলা অবস্থারেই জলের জাম হিস্তিমা করে না।

→ জোনা, ঝুপা, লেড এবং কসাপুর।

Q. 2. অ্যানেমু বিশিষ্টা বা অক্সিডেট কি?

→ অ্যানেমু বিশিষ্টা বা অক্সিডেট ইচ্ছ বাটু শর্করামুকি অ্যামিট (HCl) এবং বাটু নার্মুকি অ্যানিড (HNO<sub>3</sub>) এবং ওই অনুপাতে স্বত্য প্রস্তুত বিশিষ্ট।

Q. 3. মনিত কি?

→ এ মৌল বা সৌভাগ্যমূল প্রাক্তিকভাবে ফ্ল-ফ্ল পাওয়া সাধু, সেওলোকে মনিত (mimetic) বলে।

সমৱনঃ - NaCl, KCl, CaCO<sub>3</sub> ইত্যাদি।

Q. 4. আকর্ষিক কি?

→ মনিতগুলাতে কোনো একটি বিশিষ্ট ধাতু অধিক ক্ষেত্রে প্রস্তুত মাকে ধাতুটিক ওই মনিত হেফে নাইজেনাট নিষ্কাশন করা এবং এইভূক মনিতকে ধাতুটিপুর আকর্ষিক বলে।

সমৱনঃ - ZnS, ZnCO<sub>3</sub>, ZnO ইত্যাদি।

Q. 5. প্রকৃতিতে কুকুর অবস্থামুকি কৃষ্ণলীলা ধাতুর নাম লিখো?

→ জোনা, ঝুপা, ক্লেটিনাম এবং কসাপুর।

Q. 6. মনিতগুল কি?

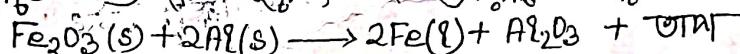
→ মনি প্রেক্ষ পাওয়া আকর্ষিক গুলাতে জাপানিতে প্রস্তুত প্রশিক্ষণ অঙ্গেদী সমৱনঃ - মাটি, বালি ইত্যাদি বিশিষ্ট ইচ্ছ মাকে, এই অঙ্গেদী শুলিঙ্গ মনিতগুল বলে।

Q. 7. দক্ষিণাত্ত্বন কি?

→ কার্বনেট আকর্ষিকগুলাকে অতি কম পরিষ্কার বাস্তু পরিষ্কারে উচ্চ আপে অক্সাইডে পরিষ্কার করা হচ্ছে, এই প্রক্রিয়াকে দক্ষিণাত্ত্বন বলে।

Q. 8. পার্পিট বিশিষ্টা কি?

→ এলুটিনিমাস্টে জাদু আস্ত্রন (III) অক্সাইটের বিশিষ্ট বেলার্থিন গোড়া দিতে বা কলকাতাতে অন্তর্ভুক্ত হচ্ছে, এই বিশিষ্ট পার্পিট বিশিষ্টা এবে।



Q. 9. গুঁটি বা জুঁট দ্বিতীয় বলিতে কি বোনে?

→ লোহা দীর্ঘ সময়ে আন্তর্বাস্তুতে বৃত্তমূল পরিষ্কার উপর ভাস্তুটি প্রস্তুত অক্ষে আক্ষণ পড়ে, সাকে গুঁটি বা জুঁট বলে।

Q. 10. লোহার ঘুঁট দ্বিতীয় কৃষ্ণ কৃষ্ণকী প্রশিক্ষণ নাম লিখো?

→ লোহাতে গুঁট দ্বিতীয় কৃষ্ণ প্রশিক্ষণ কৃষ্ণ প্রশিক্ষণ লোহাতে প্রাচলিম দিস্মে, তেল নাইমিস্ট, চৰী আমিস্ট, ত্যাল আন্তর্ভুক্তেজন দ্বাবা, প্রাচারকৃষ্ণ দ্বাবা, ইত্যাদি।

Q. 11. ষ্টেনেলেজ দিল কি?

→ আস্ত্রবৃত্তে আপে নিকুল ও ক্রোমিস্টাম জেনালে ষ্টেনেলেজ দিল ঈশ্বী হচ্ছে। ইশ্বা শেক্ষণ এবং অবুচ বিশিষ্ট না।

Q. 12. এগালগাম কি?

→ সদি ধাতুগুলাতে মাটি একটি পাথুন হচ্ছে আগুল জুঁটকু প্রাতুটিকে এগালগাম বলে।

२४० ज्यैषु रात्रि की ?

→ ज्ञान के दो प्रकार हैं तुर्थ या अतिथिक- विज्ञ अभया एकत्र दोनों एवं अधिकारी ग्रन्थाङ्क मिलते।

**উদ্বাধারণাপদ্ধতি**- ① পিতল বা ব্রেজ (কমান্ডুরুণ দ্বারা চেন্জ করা সিলিং) ② বিওয়েভ (বনামত করা এবং পুরো দিয়ে দেওয়া)

୧୦ ଗୋଟିଏ (କମାତ୍ର ଏବଂ ଚିନ୍ତା ନିଷ୍ଠାନ)

ଶ୍ରୀକୃତିଲେଖ ଅନୁଷ୍ଠାନ ଟ୍ରେନିଂ ଲିମିଟ୆

	ପର୍ଯ୍ୟାନୀକ ପରିପାଦାନ	ଅଧିକ ଶୁଣିମୁଁ
K		
Na	ମୋଡ଼ିମୁନ୍ଡ	
Ca	କ୍ଲୋରିମୁନ୍ଡ	
Mg	ବ୍ୟାକ୍ରାନ୍‌ମିନ୍ଦୁନ୍ଡ	
Al	ଆଲୁମିନିମୁନ୍ଡ	ଅଧିକ ଶୁଣିମୁଁ
Zn	ଜିନ୍‌କ	
Fe	ଆମ୍ବର୍‌ର (ଲୋହ)	
Pb	ଲୋଡ	
[H]	[ହାର୍ଡିଙ୍‌ଜେନ୍]	ଅନ୍ତିମତୀ କରନ୍ତି
Cu	କପାବ	
Hg	ମାର୍କାର୍ଟିଂ (ମାହୁନ୍)	
Ag	ଝାମା	
Au	ଗୋଲା	
Pt	ପ୍ଲେଟିନାମ୍	ଅଧିକ ଶୁଣିମୁଁ

⑩) (i) ପାଞ୍ଜାବ ମିଟିକ୍ ରାଜ୍ୟ, ପାଞ୍ଜାବ ରାଜ୍ୟ, ପାଞ୍ଜାବ  
ରାଜ୍ୟ, ମୋହନ ପାଞ୍ଜାବ ରାଜ୍ୟ, ପାଞ୍ଜାବ  
(ii) ପାଞ୍ଜାବ ମିଟିକ୍ ରାଜ୍ୟ - ମୋହନ ପାଞ୍ଜାବ

$$(b) (i) S + O_2 \rightarrow SO_2$$

$$(ii) \text{SO}_2 + \text{H}_2\text{O} \rightarrow \text{H}_2\text{SO}_3 \quad (\text{Sulfuric acid})$$

२५. ग्राम्य कैनिंगी धर्ति की ?

26. धार्तुर क्षेत्रिकी विश्वासी की ?  
→ संज्ञक धार्तुर के आमाग कराल चूल्हाद्वय लग्जि शम, इश्वाक धार्तुर क्षेत्रिकी विश्वासी वर्ण वाले,

~~27. PVC की ऐसी खिड़की की?~~

→ भालीज्जेनाइल क्लॉब्स्ट्रेट  
 १८. २२ क्लॉब्स्ट्रेट ज्ञोना यल्लिंग की बोर्ड ?  
 → २४ क्लॉब्स्ट्रेट ज्ञोना थ्यूर्फ कोलल, अमेरि क्षिता अलफ्रान्ट ट्रैडिंग अनु ट्रैप्स्ट्रेटी नम्।  
 → २५ क्लॉब्स्ट्रेट ज्ञोना थ्यूर्फ कोलल, अमेरि क्षिता अलफ्रान्ट ट्रैडिंग अनु ट्रैप्स्ट्रेटी नम्।  
 → २६ क्लॉब्स्ट्रेट ज्ञोना थ्यूर्फ कोलल, अमेरि क्षिता अलफ्रान्ट ट्रैडिंग अनु ट्रैप्स्ट्रेटी नम्।  
 → २७ क्लॉब्स्ट्रेट ज्ञोना थ्यूर्फ कोलल, अमेरि क्षिता अलफ्रान्ट ट्रैडिंग अनु ट्रैप्स्ट्रेटी नम्,

२३. कार्यनिष्ठ व्यापारज्ञ, की ७

→ କର୍ତ୍ତାଙ୍କ ଅନୁମତି ଆପଣାରେ । ଏହା ଯିତିଲୁ ହୋଇ ପାଉଥା ମାଟେ, ଝିଖାଟୁ ପ୍ରତିକିଳି ହୃଦୟରେ ଚାରିକାର  
ବା ହୃଦୟରେ ଥିଲା । କାହିଁନାହିଁ ଆପଣାରେ କ୍ରୂଷ୍ଣ ରହୁଥିଲା । ଆ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଏକଟି ହୃଦୟରେ

୧୦ ଏକଟି ଧୀରୁ ଉଦ୍‌ଯତ ଦାଉ ବା —  
 ୧୧ ମୀରୁନ କ୍ଷେତ୍ରରୁ ପାହାନ୍ତିରୁ ଦୂରରେ  
 → ପାହାନ୍ତି ବା କ୍ଷାରାପି (Hg) ।

प्रामाणी १०१

(୫) ଅର୍ଥାତ୍ ଉଚ୍ଚ ଦିନେ ରୋଟା ଯୁଗ

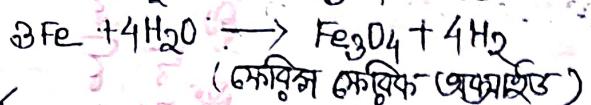
— नाइट्रोजन (N), परम्परिमेट्रान (K)।

- ① ओप्पेर तापांतरेट अमृतीयाई।  
→ जॉपा ( $\text{Ag}$ ) , कोपार ( $\text{Cu}$ )।
- ② ओप्पेर ब्रूफ्टीयाई।  
→ नेड ( $\text{Pb}$ ) , नाकार्बन ( $\text{Hg}$ )।

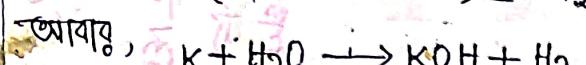
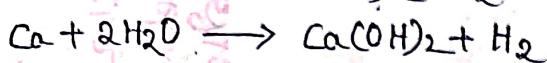
### प्रश्नावली ८-२

२. निम्नांकि यिन्हिमुख्लोए उन्न अवधिकरण नेत्रो ?

① टीग्रेष वा ओप्पेर ग्रूप० आमृतन।



② उच्चेर ग्रूप० आलक्षियम एव० पटिशिम्भार।



३. जोनो अदिय धातु तादू लम्बू शहिर्कोटि अंजित घोष कर्त्तवे की ग्रूप० उपर्यु ? आमृतन लम्बू आलक्षियिक त्र्यांति एव० उच्चेर यिन्हिमुख्लो ज्ञाने ?

→ जोनो अदिय मात्रिक धातु लम्बू शहिर्कोटि अंजित सेवा कर्त्तवे शहिर्कोटि त्र्यांति ग्रूप० इसू।

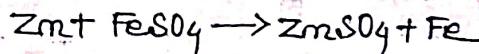
आमृतन एव० आलक्षियिक अंजित्ये डाकाम्भनिक यिन्हिमुख्लो इल -



५. त्रिंक आमृतन (II) आलक्षियिक उत्तर योजा कर्त्तवे की लक्ष्य रक्षणे ? ये बाजाम्भनिक यिन्हिमुख्लो इल तो लिखो ?

→ त्रिंक, आमृतनाक छानाक्तिक वास्तु एव० यन्हीन त्रिंक आलक्षियिक उत्तर आमृतन कर्त्तवे।

इसाथ डाकाम्भनिक यिन्हिमुख्लो इल -



### प्रश्नावली ८-३

१. १. जोडिमान, अंकिजन एव० अप्पानमिमान्मूः र्हान्त्रिन र्द्दि गर्न आँक्त,

→ जोडिमान ( $\text{Na}$ ) एव० पात्रमानिक ग्रूप० = 11

र्हान्त्रिनीमूः विन्यास = 2, 8, 1

$\text{Na}$

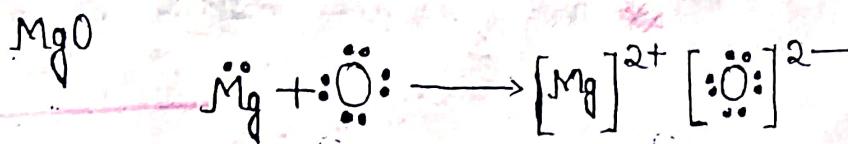
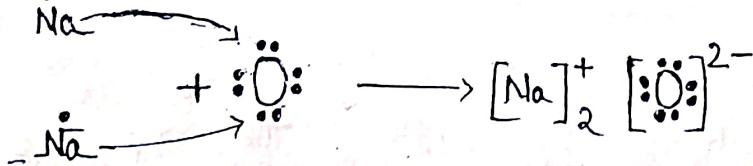
०२ एव० पात्रमानिक जांभूजी = 8



अप्पानमिमान्मूः पात्रमानिक जांभूजी = 12

$\text{Mg}$

2, 8, 2



(iii) अर्थ स्मृति अनुलाभ की की आस्तन आज ?

→  $\text{Na}_2\text{O}$  ৰে ভাকা আস্থনজ্যুলা ইল —  $\text{Na}^+$ ,  $\text{O}^{2-}$

MgO ତେ ଭାକା ଆମ୍ବନଙ୍ଗଳୀ ଶଳ —  $Mg^{2+}, O^{2-}$

୨. ଆମମିମ୍ବ ମୌତୁକୁ ଅନ୍ତର୍ଗତ କରିଲେ କେଣ ଏହି ?

୩. କୋଣା ଧାଉକେ ଆମାରୁ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ନିକାଳନ କରୁଥିଲୁ କୋଣ ସାଗାମାରିକ ପଦ୍ଧତି

→ सिद्धान्त एवं प्रक्रिया ।

২০. কোত ধাতুঁওজ্জ্বলাৰ ঝুঁড়ে ঝুঁট ধীৱ না ।

→ ଶୁଣିମୁଖ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଅକ୍ଷୟାତ୍ ହନ୍ତିଛି ଏହାରେ ଧାରାଲୋଭ ଭାବେ ବ୍ୟଥି ଦ୍ୱାରା ଜାଗନ୍ତିରାତିରେ ଶ୍ରୀମତୀ, ଶ୍ରୀପାତ୍ର, କ୍ଷେତ୍ରକିନ୍ତୁ

## અબુલીની

ନିଶ୍ଚାର୍କ ଯୋଡ଼ାଇଲାଏ କୋଣଟି ଅଭିଷ୍ଟାଧନ ଯିଶିମ୍ବା ଦେଖାଯାଏ

→ ④  $\text{AgNO}_3$  ଯୁଗମ ଅଳ୍ପ କମାରୁ ଧାଉଟିମ ହେଲ୍‌ଡିକ୍‌ରୋଡ଼ ଫ୍ରାନ୍କିଲନ

১. লোগোটি ক্রাইস্ট প্যানেল মিষ্টাচ বিগাণ অভিযানিক দ্বিতীয়াত্ম বিশ্বাস কেন বিকিনি মিষ্টাচ ডিমুক্ত  
ছবি? (১) ক্রাইস্ট মিষ্টাচ মন্দির

ପ୍ରକାଶ ମୌଳିକ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ପତ୍ର ଏହାର ପରିଚୟ ଓ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଲାଗେ ଆଜିର ପରିବାରରେ ଏହାର ପରିଚୟ ଓ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଲାଗେ

→ ① আসুন কর্মক নির্বাচন করে নিয়ন্ত্রণ পথে যাওয়া হোল্ডিং কোর্ট

୧୫. ଶବ୍ଦାନୁଷ୍ଠାନିକ ଧ୍ୟାନ ଡିଇଟ୍‌ର ଦ୍ୱାରା ଅର୍ଥାତ୍ ପାରମାଣୁକ ଲିଖିବା ?

ধার্তা	অর্ধধার্তা
① ধার্তুজন্মুর্তু ধিনাল্পক আমৃতন ব্যুচন কৃত।	① অধিতু লক্ষ্মুর্তু ধিনাল্পক-আমৃতন ব্যুচন কৃত।
② অফিশিয়েলেন্ট ভ্যাপ্ট-বিক্রিমা কৃত- ধার্তুজন্মুর্তু প্রাপ্তুকীমু- অক্রূষিত ছেঁপন্ন কৃত।	② অফিশিয়েলেন্ট গাম্ভো বিক্রিমা কৃত-অধীত- মন্দুর্তু প্রশংসন রম্প বা <u>আল্লিক অক্রূষিত</u> ছেঁপন্ন কৃত।
③ ধার্তুজন্মুর্তু চুক্তক, মাত জন্মনীমু, নমনীমু ব্যৱহাৰ আম- ও পৈতৃগতুর সুপৰিবারী।	④ অধীতজ্ঞালা আত জন্মনীমু রম্প, নমনীমু রম্প ব্যৱহাৰ আম- ও পৈতৃগতু সুপৰিবারী।
④ ধার্তুজ্ঞালা লম্ব অ্যালিড খেচক হার্থডেক্ষন অপৰাহ্নিত কৃত প্রাপ্ত।	⑤ অধিতুজ্ঞালা লম্ব অ্যালিড খেচক হার্থডেক্ষন অপৰাহ্নিত কৃত প্রাপ্ত না।

## ୧୨. କାର୍ଯ୍ୟାନ୍ତ ମିଶନୋଟ -

୧୨. କାରଣ ଦ୍ୱୟାତି —  
 (୫) ଅନୁବାଗୀନ୍ତି ପରେ ପ୍ଲୋଟ୍‌ମେଲ୍, ଯୋନ୍ ରୂପା ସ୍ୟାଥର୍ମାର ଚକ୍ରମ୍ବା  
 ପାଇଁ ପ୍ଲେଟିନାୟ, ଯୋନ୍ ଏବଂ ରୂପା ଏହି ଶାକ୍ୟାଳୀ ଟିକଣିକା କାର୍ଯ୍ୟ,  
 ଆତି-ଅନୁଵାଯ୍ୟ, ନାନୀଯ୍ୟ ଆଦି ତୋତିରେ ସବୁ ମାତ୍ରାଯେ ଅନୁବାଗୀ  
 ନୃତ୍ୟର ଅନ୍ୟ ସ୍ୟାଥର୍ମାର ଚକ୍ରମ୍ବା ।

⑥ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକିନ୍ୟାମ ଶୁଣେ ଅଛିଯେ ମୀରୁ ଏହିତ ଏହିକି ବାନ୍ଧା ହୋଇ  
ଦେଖିବାକୁ ପରିବହାତ ହେଉ ବୁଝୁ ।

ବ୍ୟାନ ବାନାତେ କ୍ଷେତ୍ରରେ ପୁଣ୍ଡଗୁଡ଼ ଆମ୍ବାଲୁମିନୋଫ୍ ଅଛି । ଏହାରେ କ୍ଷେତ୍ରରେ ବ୍ୟାନ ବାନାତେ ପୁଣ୍ଡଗୁଡ଼ ଆମ୍ବାଲୁମିନୋଫ୍ ଅଛି । ଏହାରେ କ୍ଷେତ୍ରରେ ବ୍ୟାନ ବାନାତେ ପୁଣ୍ଡଗୁଡ଼ ଆମ୍ବାଲୁମିନୋଫ୍ ଅଛି ।

(c) କୀର୍ତ୍ତି ନିକ୍ରମାନ୍ୟ ଉପରେ ଧାରଣା  
ଅନୁରୋଧ କାଷାତରିତ ରତ୍ନ ହୁଏ । ଅନ୍ତରେକୁ କେ କିମ୍ବିଳ ରତ୍ନ ହୁଏ,  
ଆମେ ସିଦ୍ଧି ନିକ୍ରମାନ୍ୟ ଉପରେ କୀର୍ତ୍ତି ଅନ୍ତରେକୁ କିମ୍ବିଳ  
ରତ୍ନ ପରେ ଅନ୍ତରେକୁ ହୁଏ ରତ୍ନ ଏବଂ ରତ୍ନ ଅତି ଅନ୍ତରେକୁ । ତୁମ୍ଭଙ୍କିମାନ୍ୟ  
ଅନ୍ତରେକୁ ଏବଂ ଆମଙ୍କିମାନ୍ୟ ଅନ୍ତରେକୁ କୀର୍ତ୍ତି ଅନୁରୋଧ  
ଅନ୍ତରେକୁ ଏବଂ ଆମଙ୍କିମାନ୍ୟ ଅନ୍ତରେକୁ ।

130. ଶେଷର ନିଳାଟୁ କଣ୍ଠୀ ହୁଏଦୁ ଯି ବୁଝି ଚାଟ କଣ୍ଠୀରେ ପାଇଛେ  
ଏହିଙ୍କାଠ କ୍ଷେତ୍ର ଲେଖିବା ତେବେଳେ ରମ ରଜତକାରୀ ରଙ୍ଗ ଥିଲା । ଏହି କରାଯୁଦ୍ଧରେ  
ପାଇଁ ଏହିଙ୍କାଠ କ୍ଷେତ୍ର ଉପଯୋଗୀ ହେବ ସ୍ଵାମ୍ୟ ରହିଲା ।  
ଆମେ ଗନ୍ଧପାଦେ ଆର୍ଦ୍ର ସମ୍ବୂଧ ପରାମର୍ଶ ଏହାକି ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ଆଶ୍ରମରେ ଥାବୁ  
ଏହି ଆଶ୍ରମ ପାଇଚିବା ଉପରେ ଥାବେ । ଏହି ଆଶ୍ରମରେ ଦୂର ରଜାଯ ଜନ୍ମି  
ଅଛି ଆଶ୍ରମ ପାଇଚିବା ଉପରେ ଥାବେ । ଏହି ଦୂରେ ଯାତା ଅନ୍ତର୍ଜାଲ,  
ଆମରୀ ଲିଙ୍ଗରେ ଯା ତେବେଲେ ବାହୀରୀ ଥାଇଥିଲା । ଏହି ଦୂରେ ଯାତା ଅନ୍ତର୍ଜାଲ  
କରି ବଳୀ ବାର୍ଷିକାନ୍ତିରେ ଆଶ୍ରମରେ ଅର୍ଥିଷତ କାହିଁକି ଗନ୍ଧପାଦଟିରେ  
ଏହି ଦୂରେ ଯାତା ।